राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस

- भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने, मछली आधारित प्रोटीन की बढ़ती मांग को पूरा करने और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मत्स्यपालकों के अटूट समर्पण की स्वीकृति स्वरूप राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है।

- राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस, भारतीय मत्स्यपालन क्षेत्र में प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चौधरी और उनके सहयोगी डॉ. केएच अलीकुन्ही के योगदान को सम्मानित करने और स्मरण करने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने 1957 में इसी दिन भारतीय मेजर कार्प्स में हाइपोफिसेशन तकनीक द्वारा प्रेरित प्रजनन का मार्गदर्शन किया था।
- 2015 से, भारत सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपए का संचयी निवेश किया है।
- इन प्रयासों के फलस्वरूप, भारत का मछली उत्पादन दोगुना से भी अधिक हो गया है।
- यह वित्त वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 195 लाख टन हो गया है। यानी इसमें 104 प्रतिशत की वृद्धि आई है।
- केवल अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि में 140 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो भारत के जल संसाधनों और सरकार की साहसिक पहलों की क्षमता को दर्शाता है।
- समुद्री खाद्य निर्यात 60,500 करोड़ रुपए को पार कर गया है, जिससे झींगा निर्यात में भारत की वैश्विक नेतृत्व की पुष्टि होती है।

- पिछले दशक में झींगा उत्पादन में 270 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे लाखों रोजगार पैदा हुए हैं और देश में मछुआरे समुदाय को सशक्त बनाया गया है।
- इस दौरान केंद्रीय मंत्री मत्स्य पालन से जुड़ी कई प्रमुख पहलों की शुरुआत करेंगे। इसके अंतर्गत मत्स्य पालन क्लस्टरों की घोषणा, आईसीएआर प्रशिक्षण कैलेंडर जारी करना और मत्स्य पालन क्षेत्र में गुणवत्ता, मानकीकरण और क्षमता निर्माण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीज प्रमाणीकरण और हैचरी संचालन पर दिशा-निर्देशों का अनावरण शामिल है।